

दुर्विज्ञेय वि. (तत्.) जिसका ज्ञान सामान्य बुद्धि से न हो सके, दुर्बोध।

दुर्विदग्ध वि. (तत्.) 1. जो थोड़े ज्ञान से अहंकार को प्राप्त हो गया हो 2. शास्त्र में कुशल पर व्यवहार में शून्य, मूर्खपंडित 3. मूर्ख, शास्त्र का दुरुपयोग करने वाला, वृथाभिमान।

दुर्विनय पुं. (तत्.) अविनय, उद्धतता, हठधर्मिता, उद्वेगता, उच्छृंखलता।

दुर्विनियुक्त वि. (तत्.) जिसका विनियोग ठीक प्रकार से न किया गया हो, दुष्प्रयुक्त, दुरुपयुक्त।

दुर्विनियोग पुं. (तत्.) धन संपत्ति आदि का अनुचित तरीके से अपने हित में उपयोग विलो. विनियोग।

दुर्विनियोजन पुं. (तत्.) दुर्विनियोग की प्रक्रिया विलो. विनियोजन।

दुर्विनीत वि. (तत्.) जिसमें दुर्विनय हो, उद्वेग, उच्छृंखल, अकस्य।

दुर्विपाक पुं. (तत्.) 1. कुपरिणाम, दुष्फल, कुफल 2. दुर्घटना, अनायास होने वाली बुरी घटना।

दुर्विवाह पुं. (तत्.) निंदनीय विवाह।

दुर्वृष्टि स्त्री. (तत्.) 1. आवश्यकतानुसार वृष्टि का न होना 2. अनावृष्टि, सूखा।

दुर्वृत्त वि. (तत्.) 1. जिसका आचरण-व्यवहार बुरा हो 2. जिसका चरित्र अच्छा न हो, दुश्चरित्र 3. बुरी निंदित आजीविका वाला पुं. निंदित आचरण।

दुर्व्यपदेशन पुं. (तत्.) विधि. मिथ्या एवं भ्रान्त धारणा उत्पन्न करने के लिए या भ्रम उत्पन्न करने के लिए किया गया कथन अथवा आचरण।

दुर्व्यवस्था स्त्री. (तत्.) कुप्रबंध, अव्यवस्था।

दुर्व्यवहार पुं. (तत्.) बुरा या अनुचित व्यवहार, बदसलूकी, अनुचित आचरण।

दुर्व्यसन पुं. (तत्.) बुरी आदत, निषिद्ध या हानिकर बातों के प्रति लगाव, कुटेव।

दुर्व्यसनी वि. (तत्.) दुर्व्यसनों से युक्त, किसी दुर्व्यसन वाला।

दुर्व्यापार पुं. (तत्.) अवैध वस्तुओं का या अवैध तरीके से किया गया व्यापार।

दुर्व्रत वि. (तत्.) जिसने गलत या अनुचित व्रत लिया हो, नियमों का पालन न करने वाला पुं. निंदनीय व्रत।

दुलकी स्त्री. (देश.) घोड़े के चलने का एक विशेष प्रकार जिसमें वह एक-एक पैर ठुमक-ठुमक कर रखते हुए आगे बढ़ता है।

दुलड़ा वि. (देश.) दो लड़ों वाला (हार आदि)।

दुलत्ती स्त्री. (देश.) 1. घोड़े, गधे, खच्चर आदि पशुओं द्वारा पीछे के दोनों पैरों से (पीछे की ओर) वार करना 2. इस प्रकार की गई चोट मुहा. दुलत्तीझाड़ना- तिरस्कार करना, दुर्व्यवहार।

दुलराना अ.क्रि. (देश.) बच्चों की तरह मचलना, रुठना आदि, लाड़ले बच्चों की तरह व्यवहार करना स.क्रि. (बच्चे को) प्यार करना, लाड़ करना, पुचकारना, बहलाना आदि।

दुलहन/दुलहिन स्त्री. (तद्.) 1. नवविवाहिता, नवोद्गा, नववधू 2. पत्नी 3. छोटे भाई, पुत्र आदि की पत्नियों को किया जाने वाला संबोधन।

दुलहा पुं. (तद्.) 1. जिसका विवाह होने जा रहा हो या अभी हुआ हो, वर, दूल्हा, नौशा 2. प्रमुख व्यक्ति (ला.)।

दुलाई स्त्री. (तद्.) बहुत हल्की और पतली-सी रजाई, रुई भरी हुई हल्की चादर।

दुलार पुं. (तद्.) छोटे बच्चों को दिया जाने वाला स्नेह या प्यार, इसके लिए की जाने वाली क्रियाएँ।

दुलारना स.क्रि. (तद्.) दुलार करना, बच्चे की इच्छाएँ पूरी करना।

दुलारा वि. (तद्.) 1. प्यारा, लाडला 2. वह जिसे बहुत लाड-प्यार मिलता हो।

दुलीचा पुं. (देश.) 1. गलीचा, गालीचा, कालीन, रोएंदार मोटा बिछावन 2. छोटा आसन।